	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश् वर **Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

प्रेस विज्ञप्ति

उद्योग-उन्मुख कौशल विकास को मजबूत करने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर ने कौशल विकास संस्थान भुवनेश्वर के साथ समझौता किया

भुवनेश्वर, 19 मार्च 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और उद्योग-अनुकूल प्रशिक्षण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास संस्थान भुवनेश्वर (एसडीआईबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन 19 मार्च 2026 को आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर और एसडीआईबी के सीईओ श्री रंजन भौमिक के बीच हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर की ओर से डीन (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनकर पसला और डीन (सतत शिक्षा) प्रोफेसर वी. पांडु रंगा तथा एसडीआईबी की ओर से सीओओ श्री राजेश त्रिपाठी और डीजीएम (प्रशिक्षण) श्री निहार रंजन दास उपस्थित थे।

इस साझेदारी का उद्देश्य आईआईटी भुवनेश्वर की अकादमिक विशेषज्ञता और एसडीआईबी के उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाकर रोजगार क्षमता को बढ़ाना और स्किल इंडिया मिशन के तहत राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप कुशल कार्यबल का निर्माण करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर करमलकर ने कहा, “इस समझौता ज्ञापन के तहत, आईआईटी भुवनेश्वर, एसडीआईबी को पाठ्यक्रम निर्माण, प्रशिक्षक विकास, ज्ञान साझाकरण और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं प्रशिक्षण अवसंरचना की स्थापना सहित कई क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। यह सहयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है और कौशल विकास में नवाचार, उद्यमिता और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा।”

अपने संबोधन में श्री भौमिक ने कहा, “इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू बेरोजगार, अल्प-रोजगार प्राप्त और वंचित युवाओं को उद्योग से संबंधित तकनीकी कौशल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के तेल उपक्रमों द्वारा संचालित एसडीआईबी एक विशाल बहु-कौशल विकास संस्थान है, जिसका लक्ष्य अपनी उन्नत प्रशिक्षण सुविधाओं के माध्यम से अगले दशक में 50,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित करना है। यह सहयोग संयुक्त रूप से स्वीकृत तंत्रों और समितियों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे दोनों संस्थानों के बीच प्रभावी ज्ञान आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण सुनिश्चित होगा।”

इस समझौता ज्ञापन के तहत आईआईटी भुवनेश्वर के छात्रों को इंटर्नशिप करने और प्रोटोटाइप विकास तथा उद्योग से संबंधित चुनौतियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने सहित प्रायोगिक शिक्षा प्राप्त करने के अवसर भी मिलेंगे। यह रणनीतिक साझेदारी शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सेतु बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो राष्ट्रीय कौशल विकास में योगदान देने और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को बढ़ावा देने के प्रति आईआईटी भुवनेश्वर की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है।